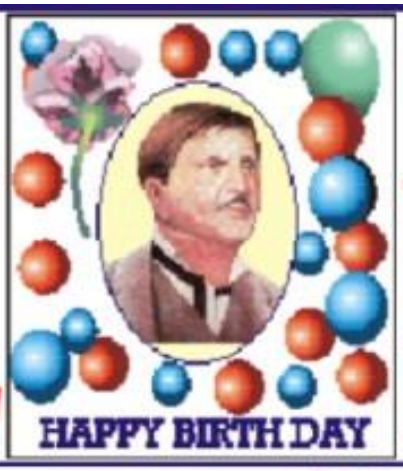

रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20
चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र
पाक्षिक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

4+4 Pages
पत्र व्यवहार हेतु पता :- सम्पादक इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गजट 127/204 एस जूही, कानपुर-208014

वर्ष –40 ● अंक –2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2018 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य – ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में एक नया अध्याय शुरु

9 जनवरी का पिछले महीने बहुत शोर था क्योंकि यह वही तिथि है जिस दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता सम्बन्धित प्रकरण पर एक परीक्षा के बाद भारत सरकार को निर्णय देना था, 9 जनवरी की तिथि पिछले एक वर्ष से प्रतीक्षित थी क्योंकि भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय ने 28 फरवरी, 2017 को एक आदेश जारी कर देश के समस्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्था संचालकों को व इलेक्ट्रो होम्योपैथों को यह सूचित किया था कि भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता सम्बन्धित प्रकरण का निस्तारण करना चाहती है, इस हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बन्धित जो भी जानकारी जिसके पास उपलब्ध हो वह भारत सरकार को प्रस्तुत करे इस जानकारी को देने के लिए सरकार द्वारा 31 दिसम्बर, 2017 तक का 10 महीने का लम्बा समय दिया गया था और लोगों को असुविधा न हो तथा सरकार को प्रतिवेदनों के ज़्यादा बोझ के नीचे न दबना पड़े इसलिए तीन–तीन माह के अन्तराल के चार चक्र निर्धारित किये गये थे जो क्रमशः 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर व 31 दिसम्बर के रूप में थे।

इन 10 महीनों के अन्दर पूरे भारत के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठनों द्वारा व कुछ व्यक्तिगत स्तर पर काफी बड़ी संख्या में प्रपोजल भारत सरकार को प्रेषित किये गये, चूंकि सरकार ने 4 चक्रों में समय बांटा था इसलिए हर चक्र की समाप्ति के बाद प्रेषित प्रपोजलों पर सरकार निर्णय ले लेती थी, इसी आधार पर चलते हुए भारत सरकार ने 28 दिसम्बर, 2017 को 21 प्रपोजलों को चिन्हित कर उन्हें उपयोगी माना, चूंकि यह लिस्ट 28 दिसम्बर को जारी हो गयी थी और प्रपोजल भेजने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर थी अस्तु 31 दिसम्बर तक प्राप्त प्रपोजलों पर दृष्टि डालने के बाद 6 लोगों का नाम और सम्मिलित किया गया इस तरह से भारत सरकार की दृष्टि में 27 प्रपोजल योग्य पाये गये। इन 27 लोगों ने वरीयता के आधार पर प्रथम 8 लोगों को अपने विचार रखने व इलेक्ट्रो होम्योपैथी का पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया गया शेष लोगों से कहा गया कि आप इनके साथ रह सकते हैं।

हर आमंत्रित संगठन को दो व्यक्तियों के साथ आने की अनुमति दी इस कार्यक्रम के लिए 9 जनवरी, 2018 की तिथि निर्धारित की गयी और लोगों से अपेक्षा की गयी कि 9 जनवरी के दिन सभी आमंत्रित व्यक्ति रेडक्रास सोसाइटी भवन में प्रातः 10 बजे आकर अपना–अपना पक्ष रखें यह सूचना जैसे ही लोगों को मिली हर संगठन में एक नया उत्साह पैदा हो गया पूरे देश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ आशा भरी नज़रों से अपने साथियों की तरफ देखने लगा कि वह 9 जनवरी, 2018 को भारत सरकार के समक्ष क्या पक्ष प्रस्तुत करते हैं ! साथ ही साथ इस बात की उत्सुकता भी थी कि उनके साथियों द्वारा रखे गये पक्ष पर भारत सरकार क्या रूख अपनाती है ? 1 जनवरी से ही नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ भविष्य की मंगल कामनाओं का दौर शुरू हो गया जो संगठन या व्यक्तिगत लोग आमंत्रण पाये थे वे विजयी योद्धा की तरह अपने अपने समर्थकों के मध्य अपने आपको प्रस्तुत करने लगे कुछ लोगों ने बकायदा समाचार पत्रों में कमेटी का सामना करने हेतु प्राप्त आमंत्रण के विज्ञापन तक छपवा डाले, 3 जनवरी से 7 जनवरी तक पूरे देश में मीटिंगों का दौर रहा हर संगठन अपना अपना दावा ठोंक रहा था।

वातावरण तो ऐसा था कि मानों बिना परीक्षा के ही परिणाम घोषित हो गया हो, कभी कभी जो अति योग्य परिक्षार्थी होते हैं और जिनमें आत्मविश्वास होता है वह परिणाम के प्रति आश्वस्त रहते हैं, कुछ ऐसी ही स्थिति इलेक्ट्रो होम्योपैथी में नज़र आ रही थी अन्ततः 9 जनवरी का दिन आ ही गया पूरे देश के विभिन्न प्रान्तों के इलेक्ट्रो होम्योपैथ 9 जनवरी के दिन का हाल जानने व अपने साथियों का उत्साह वर्धन करने के लिए दिल्ली में उपस्थित थे, उत्साह का आलम यह था कि उत्तर भारत की कड़ाके की सर्दी व कोहरे का कहर भी उनके कदमों को नहीं रोक पा रहा था, न सर्दी की चिन्ता न परेशान होने का भय जो भी दिल्ली पहुँचा सबके मन में एक नई आशा और एक नया उत्साह दिखायी पड़ रहा था, यद्यपि कुछ लोग ऐसे भी थे जो 9 तारीख को दिल्ली पहुँचने के ललक में पूरी 9 तारीख को ट्रेन में ही बैठे रहे। ऐसा दृश्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इतिहास में पहली बार दिखायी पड़ रहा था, न बंगाल दूर लग रहा था और न ही केरल, सुदूर पूर्व राज्यों से भी इलेक्ट्रो होम्योपैथ इस दिन को देखने के लिए दिल्ली पहुँचे थे, नज़ारा तो ऐसा था कि हर व्यक्ति यही कह रहा था कि अब दिल्ली दूर नहीं है। मंगलवार वह मंगलमयी दिन आखिर आ ही गया रेडक्रास भवन में लोगों की चहलकदमियां दिखायी देने लगीं जो अधिकारी थे वह अन्दर हॉल में प्रवेश कर गये और जो शेष बचे वह बाहर धूप छाँव में बैठकर कयास लगाते रहे।

> आशा के अनुरुप परिणाम
> सम्भावनायें और बलवती
> सकारात्मक रही कमेटी
> अंधेरा छंट ही जायेगा
> नया अध्याय प्रारम्भ
> प्रतीक्षा समाप्त

डा0 कटोच की अध्यक्षता वाली कमेटी में कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ और औपचारिक कार्यवाही के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर चर्चा प्रारम्भ हुई।

प्रारम्भिक चर्चा डा0 अजीत सिंह से हुई कई प्रश्नों और उत्तर के बाद दूसरे प्रतियोगी को अवसर मिला इस तरह से बारी बारी से अन्य लोगों ने अपने पक्ष प्रस्तुत किये, पक्ष प्रस्तुत किये जाने के समय कमेटी के सदस्यों ने कई तर्क प्रस्तुत किये एक बार तो वातावरण थोड़ा गर्म हो गया परन्तु थोड़े समय में ही सबकुछ सामान्य हो गया, एक निश्चित समय के बाद कमेटी की कार्यवाही समाप्त हुई, अब लोग बाहर आ चुके थे और पहले तो अपने अपने खेमों में बंटकर अपने समर्थकों का उत्साह वर्धन करते रहे, हर प्रतियोगी यही कह रहा था कि सफलता निश्चित है अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का एक अध्याय समाप्त हो चुका है जो कुछ भी हमारे साथियों ने पक्ष रखा है उस पर भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी समीक्षा करेगी और समीक्षा के बाद अगला कदम उठाया जायेगा। प्राप्त जानकारी के आधार पर सबकुछ ठीक ठाक रहा एक बात सबसे महत्वपूर्ण रही कि कमेटी के लोगों ने हमारे साथियों को हिदायत दी कि काम व्यक्तिगत नहीं है अपितु यह काम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए है, कमेटी का रूख लगातार सकारात्मक रहा और यह इस बात का संकेत है कि भविष्य आशान्वित है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया और बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का कोई भी प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित नहीं था लेकिन आपका अपना गजट इस कमी को पूरा कर रहा था।

गजट की पठनीय सामग्री से आपका प्रतिनिधित्व हो रहा था।

मैटी पद्धति की प्रमाणिकता का सही समय आ ही गया

सन् 1865 में जिस उपयोगी चिकित्सा पद्धति को महात्मा मैटी ने अनवेषित किया था उसकी प्रमाणिकता का अब सही समय आ गया है इस अवसर का हम सबको उपयोग करना चाहिये और यह बता देना चाहिये कि मैटी की पद्धति मात्र प्रमाणिक ही नहीं है बल्कि जनोपयोगी व अहानिकर होते हुए स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर है, मैटी ने जिस इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आविष्कार किया था वह आज 152 वर्ष के बाद सम्मानजनक स्थिति में पहुँच रही है, बहुत सारे आन्दोलनों और प्रयासों के बाद भारत सरकार ने इतने वर्षों के बाद जो मनःस्थिति बनायी है वह निश्चित रूप से इलेक्ट्रो होम्योपैथी को एक नई दिशा देगी, आने वाले कुछ दिनों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी यदि नये अवतार में दिखे तो विस्मित होने वाली जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिये। वर्षों का संघर्ष और सालों की तपस्या अब रंग ला रही है, हम आने वाले जिन अच्छे दिनों की बात कर रहे हैं वह महीनों का परिणाम नहीं है बल्कि इसके पीछे लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथों का सहयोग व समर्थन के साथ साथ इस चिकित्सा पद्धति के प्रति अटूट विश्वास भी है।

आज हम महात्मा मैटी की 209 वीं जयन्ती मना रहे हैं यद्यपि यह जयन्ती वर्षों से हमारे साथियों द्वारा मनायी जाती रही है परन्तु इस वर्ष की जयन्ती में जो उल्लास है वह पहले कभी नहीं दिखा, यह उत्साह और विश्वास भरे शब्द बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय 127/204 एस0 जूही कानपुर के सभागार में आयोजित मैटी जयन्ती पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने खचाखच भरे हॉल में व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने लोगों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि हम जबसे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में आये हैं हमारा प्रयास रहा है कि इस चिकित्सा पद्धति का विकास हो, हमने अधिकारों की लड़ाई लड़ी और सफलतापूर्वक अधिकार प्राप्त भी किये परन्तु हर एक के मन में यह इच्छा होती है कि वह जिस चिकित्सा पद्धति से कार्य कर रहा है उसे सरकारी संरक्षण प्राप्त हो यद्यपि अभी तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने में किसी तरह की कोई बाधा नहीं रही है फिर भी हम मान्यता की लड़ाई लगातार लड़ते आ रहे हैं आप सबके सहयोग से अब वह समय आ गया है जब हम विजय की तरफ बढ़ रहे हैं, कल तक जो नियमितीकरण दूर की कौड़ी लगती थी आज वह इतने करीब है कि हम और हमारे साथी अचम्भित हैं, मैटी दिवस की शुभकमानाओं के साथ भविष्य की योजनाओं पर भी हमें काम करना है कारण आने वाले दिनों में भारत सरकार द्वारा जो भी नियम बनाये जायेंगे उनका अनुपालन हम सबको करना होगा और हमारा यह प्रयास होगा कि जिस अच्छे भविष्य की तरफ हम सब बढ़ रहे हैं वह सिलसिला जारी रहे, कहा जाता है कि जब आधार मजबूत होता है तो उसपर बनने वाला भवन भी मजबूत होता है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण से हुआ सबसे पहले बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने फिर मुख्य अतिथि बोर्ड की विशेष कार्याधिकारी डा0 शाहीना इदरीसी ने मैटी के चित्र पर माल्यार्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की, बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने कार्यक्रम प्रारम्भ करते हुए 11 जनवरी की तिथि की महत्ता व मैटी के जीवन पर विस्तार से जानकारी दी, डा0 अतीक अहमद ने बताया कि किस तरह से डा0 इदरीसी के प्रयासों से न केवल बोर्ड ने प्रगति की है बल्कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी मजबूती के साथ आगे बढ़ी है, आज भारत सरकार जो कुछ भी कर रही है उसके पीछे डा0 इदरीसी की कुशल रणनीति व सूझबूझ ही है आपने जिस सूझबूझ के साथ इस विधा को आगे बढ़ाया है उसके लिए आपको धन्यवाद, साथियों को प्रसन्न होने का अवसर

शेष अंतिम पेज पर

कुछ नया होने वाला है

प्रतीक्षा और आशायें ही ऐसी वस्तुएं हैं जो मनुष्य के जीवन में ऊर्जा का संचार करती रहती हैं, वैसे तो पूरा जीवन ही घटनाओं से भरा ण्होता है परन्तु कुछ घटनाक्रम ऐसे भी होते हैं जो समूचे जीवन को और जीवन जीने की शैली को बदल कर रख देते हैं और यही बदलाव मनुष्य को प्रतीक्षा के लिए बाध्य करता है।

नये वर्ष के स्वागत के बाद हम सब इस कल्पना में लग जाते हैं कि शायद इस वर्ष कुछ नया हो जाये जबकि वास्तविकता यह है कि नया उसी के साथ होता है जो पूर्व में किये गये कार्य होते हैं परम्परागत रूप से हम सब नया वर्ष मनाते हैं, एक दूसरे को बधाई देते हैं – लेते हैं परन्तु यदि गम्भीरता से देखा जाये तो मात्र यही दिखायी पड़ता है कि दीवाल पर टँगा हुआ कैलेन्डर बदल जाता है, न तो ऋतु बदलती है और न ही स्वभाव, अगर बदलता है तो सिर्फ कुछ पलो का त्योहार।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी हम सब बदलाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं, पूरे देश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ टकटकी लगाये इस बात की प्रतीक्षा कर रहा है कि इस वर्ष कुछ नया अवश्य होगा, अब प्रश्न यह उठता है कि हम किस नयेपन की प्रतीक्षा में हैं ! इलेक्ट्रो होम्योपैथी वही रहेगी, काम करने वाले भी वही हैं और जिस गति से हम सब काम कर रहे हैं हो सकता है उसमें कुछ तेज़ी या कमी आ जाये, जिस मान्यता की चर्चा पिछले एक वर्ष से लगातार हो रही है वह समस्या कोई नई नहीं है देश की स्वतन्त्रता के बाद से जब चिकित्सा पद्धतियों का क्रम प्रारम्भ हुआ है तब से ही हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथी मान्यता की मांग करते चले आ रहे हैं 70 वर्ष गुजर जाने के बाद भी हमारी मांग जहां की तहां खड़ी है। कल भी हम सरकार से मान्यता की मांग करते थे और आज भी वही मांग जारी है, ऊपर की दृष्टि से देखा जाये तो यही दिखायी पड़ता है कि इन 70 वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ ! परन्तु यह सत्य नहीं है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बहुत परिवर्तन हो चुका है, तमाम उतार चढ़ावों के उपरान्त आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी उस स्थिति पर पहुँच चुकी है जहाँ से वह अपने अधिकारों की लड़ाई बहुत तेज़ी के साथ लड़ रही है। यह तो समय और परिस्थितियां हैं कि हर बार हम उपेक्षा का शिकार होते हैं और किसी न किसी प्रकार से सरकार कोई ऐसा हथकंडा अपना लेती है जिससे कि 5–10 साल के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को पीछे कर देती है परन्तु इस बार जो परिस्थितियां दिखायी पड़ रही हैं वह भारत सरकार को चुनौती दे रही हैं भारत सरकार ने प्रपोज़ल के नाम पर 10 महीने का लम्बा समय तो नष्ट कर दिया परन्तु जांच के नाम पर उसे ज़्यादा लम्बा समय नहीं देना चाहिये, कुछ लोग कहेंगे कि यह सरकार का मामला है इसे सरकार ही समझे परन्तु यह सत्य नहीं है, जो मामले समाज से जुड़े होते हैं वहाँ सरकार की बाध्यता हो जाती है कि सरकार उस मामले को लम्बा नहीं लटका सकती है, यह कोई आरक्षण का आन्दोलन नहीं है और न ही कोई जातिगत आन्दोलन और न ही इस आन्दोलन का किसी राजनैतिक दल से सीधा सम्बन्ध है। यह देश के लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथों के भविष्य का सवाल ही नहीं है परन्तु इन लाखों चिकित्सकों से जुड़े करोड़ों रोगियों का सवाल है, जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से लाभ लेकर रोगमुक्त हो रहे हैं, यदि अब भी भारत सरकार अगर–मगर की नीति अपनाती है तो सरकार को समझ लेना चाहिये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जुझारू रणबाकुरे इस आन्दोलन को जन आन्दोलन बनाने में ज़रा भी समय नहीं गवायेंगे सरकार लाखों की भावनाओं को दबा सकती है परन्तु करोड़ों जन भावना को दबाना भारत सरकार को मंहगा पड़ सकता है।

इस वर्ष यदि भारत सरकार ने कोई हीला हवाली दिखायी तो यह सरकार की दुमुँही नीति का पर्दाफाश कर देगी, एक तरफ देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार पूरे देश में यह घोषणा करती है कि "पारम्परिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देंगे" वहीं दूसरी तरफ हमारी उपेक्षा और समय के साथ साथ हमारी सोच भी बदल चुकी है। 9 जनवरी से भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय द्वारा परीक्षा के नाम पर जो कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है उसे अविलम्ब समाप्त कर त्वरित निर्णय लेना होगा।

जब 21 जून, 2011 को भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान का आदेश जारी किया था तब अब कौन सी परीक्षा बकाया है !

10 मिनट की समय अवधि के अन्दर किसी पद्धति की उपयोगिता को समेटना सिर्फ भारत सरकार के बस की बात हो सकती है इलेक्ट्रो होम्योपैथों के बस की नहीं।

मैकेनिज़्म संस्थाओं का ! या इलेक्ट्रो होम्योपैथी का !

20 अक्टूबर 2016 का वह सुन्दर दिन इतिहास के पन्नों में सदैव अंकित रहेगा क्योंकि यही वह शुभ दिन था जब भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नियमितीकरण की मांग को गम्भीरता से लिया और यह निर्णय लिया कि अब समय बहुत हो चुका है आन्दोलन भी बहुत हो रहे हैं देश में धीरे धीरे इलेक्ट्रो होम्योपैथी की लोकप्रियता भी बहुत बढ़ रही है इसलिए इस चिकित्सा पद्धति को नियमित करने की दिशा में कोई सकारात्मक कार्य किया जाये इसी सकारात्मक कार्य करने की दिशा में भारत सरकार ने एक इन्टरडिपार्टमेन्टल कमेटी का गठन किया।

4 महीने के विचार विमर्श के बाद अन्ततः 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय ने अपनी वेबसाइड में एक सूचना प्रसारित की, यह सूचना इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के नियमितीकरण के सन्दर्भ में थी सरकार ने इसका विषय मैकेनिज़्म रखा। जब यह सूचना प्रसारित हुई और इलेक्ट्रो होम्योपैथों के मध्य आयी तो प्रथम आवृत्ति में लोग यह समझ ही नहीं पाये कि यह मैकेनिज़्म क्या बला है ! मैकेनिज़्म एक तरह की वह जानकारी है जिससे कि सरकार किसी भी पद्धति के बारे में उससे जुड़े लोगों के द्वारा प्राप्त करती है, मैकेनिज़्म शब्द स्वास्थ्य मन्त्रालय द्वारा पहली बार प्रयोग किया गया था, इधर कुछ दिनों से स्वास्थ्य मन्त्रालय ने अपनी शब्दावली में कुछ परिवर्तन किये हैं आज कल अक्सर चिकित्सा पद्धति से जुड़े पत्रों में मैकेनिज़्म, विबिलटी, इफिकेसी व क्वॉलिटी जैसी शब्दों का प्रयोग बहुतायत से किया जा रहा है, जैसे राज्य सरकारों द्वारा शासनादेश के स्थान पर ज्ञाप जैसे शब्दों का प्रयोग हो रहा है।

ऐसे ही 28 फरवरी, 2017 को जब भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मैकेनिज़्म की सूचना जारी की गयी तो एक नई ऊर्जा का संचार हुआ और मन में यह विचार बलवती होने लगा कि अब शायद इलेक्ट्रो होम्योपैथी का कल्याण हो ही जायेगा इस मैकेनिज़्म के माध्यम से भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े लोगों से कुछ बिन्दुओं पर जानकारी चाही थी, आप सबको ज्ञात भी होगा कि इस जानकारी के लिए 10 महीने का लम्बा समय भी भारत सरकार द्वारा हमारे साथियों को दिया गया था, प्रतीक्षा और उत्साह के साथ यह 10 महीने का समय कब बीता किसी को पता ही नहीं चला, अभी 31 दिसम्बर की तारीख आयी ही न थी कि 28 दिसम्बर, 2017 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय ने एक नया पत्र जारी कर दिया, इस पत्र के अनुसार भारत सरकार के पास बहुत सारे लोगों ने अपने अपने प्रपोज़ल प्रेषित किये हैं जिनमें से 21 प्रपोज़लों पर सरकार ने अपनी स्वीकृति की मुहर लगायी और इन 21 प्रपोज़लों के साथ 4 जनवरी, 2018 को 6 और प्रपोज़ल सम्मिलित किये हैं इनमें से प्रथम 8 लोगों को यह अवसर दिया कि वह 9 जनवरी को रेडक्रास भवन नई दिल्ली आकर अपना पक्ष 10 मिनट की समय अवधि के अन्दर कमेटी के सामने रखें यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि जिन 8 लोगों को अवसर दिया गया है उनके चयन का तरीका क्या है ?शेष जो 19 लोग बचेंगे ये इन्हीं 8 लोगों के साथ अपना पक्ष रख सकते हैं यदि बात रखने का तरीका समूह में होगा तो समय अवधि 15 मिनट की होगी, अपनी बात की पुष्टि के लिए प्रस्तुत होने वाले व्यक्ति को अपना लैपटाप स्वयं ले जाना होगा, जब से यह जानकारी हमारे साथियों के बीच फैली एक अजीब सी बेचैनी ने जन्म ले लिया है।

जिन्हें अवसर मिला वह विजयी की भाँति गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं और जो इस लिस्ट में नहीं आ पाये वह अनर्गल बातें कर रहे हैं कोई देख लेने की बात करता है, कोई मुकदमे में जाने की बात करता है, लोग यह भूल जाते हैं कि 125 करोड़ वाले देश में मत तो सभी देते हैं परन्तु प्रतिनिधित्व 543 ही करते हैं या दूसरी तरह से किसी भी स्थान को पाने के लिए आवेदन हज़ारों लोग देते हैं परन्तु साक्षात्कार का अवसर कुछ ही लोग पाते हैं, इस लिए हमें यह स्वीकारना चाहिये कि जो प्रपोज़ल सरकार की कसौटी पर खरे उतरे होंगे उन्हें ही अवसर मिला होगा फिर हम यह क्यों भूल जाते हैं कि इस बार जो कुछ भी निर्णय होगा वह समूची इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए होगा न कि व्यक्ति विशेष के लिए।

जिस प्रकार से भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के प्रतिवेदन पर विचार करते हुए 21 जून, 2011 को जो एतिहासिक आदेश पारित किया था तो क्या उसका लाभ सारे लोग नहीं उठा रहे हैं ?आदेश एक होता है और जो पात्र होता है वही उसका लाभ उठाता है, क्या किसी ने यह सोचा कि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया प्रपोज़ल के इस खेल से दूर क्यों है ?27 की इन सूचियों में इन दोनों संगठनों का दूर दूर तक नाम नहीं है इसका मतलब यह नहीं है कि यह संगठन प्रतिस्पर्धा से बाहर हों जिन्होंने परीक्षा नहीं दी वह 9 जनवरी को परीक्षा दें हम तो परीक्षा 2011 में ही उत्तीर्ण कर चुके हैं और जो परिणाम हमें मिले थे वह सारा देश देख रहा है।

नव वर्ष के पहले अंक में हमने लिखा था कि परिणाम चौंकाने वाले आयेंगे जो परिस्थितियां बन रही हैं वह हमारी सोच को बल प्रदान कर रही हैं जो 8 संगठन आगे आये हैं उनमें समानता नहीं बन पा रही है, एक दूसरे को नीचा दिखाने व गिराने के कार्यक्रम जारी हैं जो घटनायें घट रही हैं वह कोई सही संकेत नहीं दे रही हैं, कई कई दौर की बैठकें हो रही हैं और होती ही रहेंगी लेकिन निर्णय की तरफ किसी का भी ध्यान नहीं है सोशल मीडिया के माध्यम से जो कुछ भी दिख रहा है, हो सकता है कि वह वर्तमान राजनीति में फिट बैठता हो परन्तु एक सभ्य समाज में ऐसी टिप्पणियां कभी भी स्थान नहीं रखतीं जिस चिकित्सा पद्धति को स्थापित करने के लिए स्वयं की जान लगाते हैं अगर उनकी स्वयं की इच्छा पूर्ति नहीं हो रही है तो वह उसी चिकित्सा पद्धति को बन्द कराने की बात करने लगते हैं, ऐसी धारणायें चाहे क्रोध में ली गयी हों या अन्य किसी परिस्थितियों में, सार्वजनिक नहीं होनी चाहिये। कभी कभी यह छोटी छोटी टिप्पणियां स्वयं के साथ साथ सारे समाज को हानि पहुँचा देती हैं हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के समर्थक हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य कर रहे हैं, इसी पद्धति के लिए जीते–मरते हैं और आज जब कुछ पाने का अवसर आया है तो यह परस्पर की प्रतिद्वन्दिता किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

हमारे सभी साथी जो वर्षों से संघर्षरत हैं उन्हें प्रसन्नता दिखानी चाहिये कि जिन्हें भी अवसर मिला है वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य करें और इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित चिन्तन करें, 28 फरवरी, 2017 के मैकेनिज़्म का अनुशीलन करें फिर विचार करें कि यह क्या है ?

यह एक अवसर है जिसका सदुपयोग करके वर्षों से प्रतीक्षित इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नियमितीकरण की मांग को पूरा किया जा सकता है यह निश्चित मानना पड़ेगा कि भारत सरकार अपनी प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हट रही है, क्योंकि नियमितीकरण इलेक्ट्रो होम्योपैथी का होना है न कि किसी संगठन का।

यदि हम अभी भी अपनी भावनायें बदल न सके तो हम इतने पीछे चले जायेंगे

अधिकार दिवस के अवसर पर मंचासीन बायें से दायें डा0 एम0 एच0 इदरीसी चेयरमैन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 एवं बोर्ड की ओ0 एस0 डी0 डा0 श्रीमती शहीना इदरीसी अपने विचार देते हुये। – छाया गज़ट

अधिकारों का पूर्ण प्रयोग हो – डा0 इदरीसी

प्राप्त अधिकारों का अधिकारपूर्वक प्रयोग किया जाये तभी उन अधिकारों की वास्तविकता सामने आती है, हमें अभी तक जितने भी अधिकार प्राप्त हुये हैं वे अपने आप में उपयोगी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने के लिये सक्षम हैं परन्तु हमारे साथी अभी भी अपने अधिकारों के प्रति तनिक भी गम्भीर नहीं हैं। यह विचार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय में आयोजित अधिकारिता दिवस कार्यक्रम में बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने बताया कि समय और परिस्थितियां बड़ी ही तीव्र गति से परिवर्तित हो रही हैं सम्भावनायें दिन – प्रतिदिन बलवती होती जा रही हैं इसलिये हमें हर समय सजग और तैयार रहना चाहिये कार्यक्रम का प्रारम्भ बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद के उदबोधन से हुआ डा0 अतीक अहमद ने उपस्थित लोगों को बोर्ड की अधिकारिता के बारे में विस्तार से बताया, इहमाई के संयुक्त मंत्री डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने भविष्य की शुभकामनायें देते हुये कहा कि बोर्ड निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है एवं आने वाले दिनों में प्रदेश का यही एक मात्र संगठन होगा जो चिकित्सकों को पूर्ण संरक्षण प्रदान करेगा। कार्यक्रम को श्रीमती डा0 शाहीना इदरीसी (बोर्ड की विशेष कार्याधिकारी) ने अपने सम्बोधन में नववर्ष की शुभकामनायें देते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की, इसी प्रकार के अनेक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे प्रदेश में हुआ जिसमें पडरौना–कुशीनगर में बोर्ड से सम्बद्ध कुशीनगर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के डायरेक्टर डा0 आदिल एम0 खान द्वारा भव्य कार्यक्रम आयेजित किया गया कार्यक्रम का उदघाटन श्री राजेशवर सिंह, विशिष्ठ अतिथि श्री अजय नारायण सिंह (एस0 डी0 एम0 पडरौना), अध्यक्षता श्री मार्कन्डे शाही (जिला महासचिव भाजपा) की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ सभी अतिथियों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भविष्य की कामना की इस कार्यक्रम में कु0 शाहिदा, साजिद अली, साजिद एम0 खान, डा0 एन0 बी0 राय, आलोक शुक्ला, डा0 एस0 अली, बदरुज़्ज़मा, शहनावाज़ व रामेश्वर वर्मा आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहे, जनपद महाराजगंज में डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अधिकारिता दिवस के अवसर पर एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर के आयोजन के साथ–साथ भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयेजन स्टडी सेन्टर के डायरेक्टर डा0 प्रिंस श्रीवास्तव द्वारा किया गया जनपद मऊ के बलीदपुर में डा0 अयाज़ अहमद द्वारा बलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर के साथ–साथ अधिकारिता दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें लोगों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में बताया गया, रायबरेली के डा0 प्रताप नारायण कुशवाहा की अध्यक्षता में आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें चिकित्सकों को पंजीकरण की उपयोगिता के बारे में अवगत कराया गया व इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वर्तमान स्थिति पर चर्चा भी की गयी।

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट जौनपुर में अधिकारिता दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित लोगों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता से परिचित कराया गया, चिकित्सकों को सम्मानित किया गया व निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में डा0 प्रमोद कुमार मौर्या, डा0 जे0 के0 चौरसिया प्रमुख रुप से उपस्थित व सक्रिय रहे, शाहगंज–जौनपुर में डा0 एस0 एन0 राय द्वारा भव्य अधिकारिता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सिरसागंज –फिरोज़बाद में डा0 इसरार अहमद व फिरोजबाद में डा0 एस0 के0 पाल, अमौली– फतेहपुर में डा0 देवानन्द सागर द्वारा।

प्रतापगढ में डा0 एम0 ए0 इदरीसी द्वारा, लखीमपुर में डा0 आर0 के0 शर्मा द्वारा, आज़मगढ में डा0 मुश्ताक अहमद द्वारा, शाहजहांपुर में डा0 अम्मार बिन साबिर द्वारा, देवरिया में डा0 पी0 के0 श्रीवास्तव द्वारा।

दिल्ली के करावल नगर में डा0 देवेन्द सिंह द्वारा अधिकारिता दिवस कार्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित किये गये।

मंच पर बायें से डा0 आदिल एम0 खान–प्राचार्य, श्री आसुतोष श्रीवास्तव–जिलाध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच श्री मार्कन्डेय शाही–महासचिव भाजपा कुशीनगर, श्री राजेशवर सिंह– मुख्य अतिथि सम्मान अध्यक्ष गोरखपुर बस्ती मण्डल हिन्दू युवा वाहिनी, श्री अजय नारायण सिंह–ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट कुशीनगर एवं डा0 एन0 बी0 राय

अधिकारिता दिवस कार्यक्रम में बीच में बैठे हुये डा0 पी0 के0 मौर्या प्राचार्य भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीटयूट जौनपुर

थाना नौतनवा में अधिकारिता दिवस कार्यक्रम

अधिकार दिवस के अवसर पर बलीदपुर स्टडी सेन्टर के प्राचार्य द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर के आयोजन का एक दृष्य।

अधिकार दिवस के अवसर पर डा0 एस0 एन0 राय शाहगंज।

अधिकार दिवस के अवसर पर डा0 इसरार अहमदसिरसागंज, फिरोजाबाद।

मैटी पद्धति की ..... प्रथम पेज से आगे

मिल रहा है आने वाले दिनों में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन देखने को मिलेगा, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इहमाई के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने सबको बधाई देते हुए कहा कि हम दावे के साथ कह रहे हैं कि आने वाले दिन आपके ही होंगे, यह आप पर निर्भर करेगा कि आप किस तरह से इस अवसर का लाभ उठाते हैं, सामूहिक प्रयास और व्यक्तिगत प्रयास दोनों में अन्तर होता है जो परिणाम आज मिल रहे हैं उसमें सबकी भागेदारी है। कार्यक्रम को डा0 संजय कुमार द्विवेदी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्षों के प्रयास सफल होते देख प्रसन्नता होती है हम सबको इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि ऐसा कोई कार्य न करें जिससे प्रसन्नता धूमिल हो, डा0 शाहीना इदरीसी ने इस अवसर पर सबको बधाई दी मैटी जन्मदिन के अवसर पर जन्मदिन केक काटा गया पास्टर एच0एन0खोजी ने इस अवसर पर सबके उन्नति और मंगल की कामना की। इस तरह से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ समाचार लिखे जाने तक देश के विभिन्न हिस्सों में मैटी जयन्ती मनायें जाने के समाचार मिल रहे थे।

209 वें जन्मोत्सव पर इलेक्ट्रानिक मीडिया को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की वर्तमान सिथति से अवगत कराते हुये डा0 एम0 एच0 इदरीसी चेयरमैन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 209 वें जन्म दिवस के अवसर पर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की ओ0 एस0 डी0 डा0 शाहीना इदरीसी एवं चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये।

209 वें जन्मोत्सव के अवसर पर डा0 अतीक अहमद एवं डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये

सुधरने का एक अवसर अभी भी है

अभी–अभी 9 जनवरी गुज़री है इस दिन भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी के सामने जिन लोगों ने भी साक्षात्कार दिया उससे जो स्थिति उभरकर सामने आ रही है वह स्पष्ट कर रही है कि अभी भी हमारे साथी अपनी मनोदशा से उबर नहीं पाये हैं, भारत सरकार जो कुछ भी चाहती है वह सब उपलब्ध है परन्तु व्यक्तिगत महत्वकांक्षाओं के चलते दिशा ही बदल रही है। प्राप्त जानकारी के आधार पर भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सिलेबस इसमें पढ़ाये जाने वाले विषय, विषयों को पढ़ाये जाने वालों की योग्यता व सिलेबस निर्माताओं की योग्यता के साथ–साथ अवधि व प्रमाणपत्रों की योग्यता के बारे में जानना चाहा है।

अभी भी समय है कि हमारे साथी समय रहते सही और उचित के साथ–साथ विधिक प्रमाणिक जानकारी दें बैचलर और मास्टर जैसे शब्दों के प्रयोग से बचें अन्यथा परिणाम बदलने में देर नहीं लगती है।

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 209 वें जन्मोत्सव पर ओ0 एस0 डी0 डा0 शाहीना इदरीसी मध्य में चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी एवं चादरी एच0 एल0 खोजी छाया गजट

रायबरेली में ए0ई0एच0 मेडिकल इनसटीट्यूट के डायरेक्टर डा0 पी0एन0 कुशवाहा डा0 मैटी के 209 वें जन्मोत्सव पर माल्यार्पण करते हुये –छाया गजट

अलीगढ़ में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 209 वें जन्मोत्सव की झलक –छाया गजट

देवरिया

देवरिया

लखीमपुर
MSDEH INSTITUTE

लखीमपुर
MSDEH INSTITUTE

कानपुर

आजमगढ

कानपुर

कानपुर

कानपुर

कानपुर

आजमगढ़

आज़मगढ़

SPORTS

रायबरेली
स्थापित वर्ष- 1991
आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक

रायबरेली
स्थापित वर्ष- 1991
आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक

शाहजहांपुर
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक
डॉ. काउन्ट सीजर मैटी
का
जन्म दिवस समारोह
दिनांक : 11 जनवरी 2018

शाहजहांपुर
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक
डॉ. काउन्ट सीजर मैटी
का
जन्म दिवस समारोह
दिनांक : 11 जनवरी 2018

शाहजहांपुर

शाहजहांपुर